राणापुर बस स्टैंड से हटाया अतिक्रमण, संयुक्त कार्रवाई का दिखा खबर का असर पहला

दैनिक इंदौर समाचार मे प्रकाशित समाचार को देखते प्रशासन हुआ सक्रिय

राणापुर (इंदौर समाचार)। नगर के मुख्य बस स्टैंड क्षेत्र में बुधवार को प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के बाद बस स्टैंड खुला खुला नजर आया ।जिसके चलते बसों के आवागमन में आ रही समस्या खत्म हो गई ।कार्रवाई के बस स्टैंड पर लग रही फल,चाय,पानी पूरी कटलरी आदि के हाथ ठेले हटा दिए गए ।स्थायी दुकानों के आगे लगे तंबू,आदि भी हटवा दिए गए।

सवाल–यह व्यवस्था कब तक रहेगी?

उल्लेखनीय है कि बीते सप्ताह जिला कलेक्टर डॉ योगेश तुकाराम भरसट द्वारा बस स्टैंड क्षेत्र का दौरा कर व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद यह संयुक्त अभियान चलाया गया।

संयुक्त अभियान से निखरी सूरत-

प्रशासन, पुलिस विभाग एवं नगर परिषद की टीम ने मिलकर बस स्टैंड क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान सड़क किनारे खड़े ठेले, अव्यवस्थित वाहन एवं अन्य अवरोध हटाए गए, जिससे बस स्टैंड का दृश्य पूरी तरह बदला नजर आया। लंबे समय बाद क्षेत्र खुला, साफ और व्यवस्थित दिखाई दिया।

अभियान में तहसीलदार हुकुमसिंह निगवाल, थाना प्रभारी दिनेश रावत, सीएमओ मिलन पटेल सहित प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। अधिकारियों ने अपनी-अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से कार्रवाई को अंजाम दिया।

कार्रवाई के बाद बसों का आवागमन आसान हुआ तथा वाहन बिना किसी परेशानी के निकलते नजर आए। वहीं ट्रैफिक पुलिस द्वारा बस स्टैंड क्षेत्र में लंबे समय से खड़ी स्थायी मोटरसाइकिलों को थाने ले जाकर चालानी कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू की गई।

नगर परिषद अध्यक्ष दीपमाला नलवाया ने कहा कि बस स्टैंड के अलावा नगर के अन्य स्थानों पर जहां भी अतिक्रमण है, वहां भी लगातार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर को व्यवस्थित और सुचारू बनाने के लिए प्रशासन लगातार प्रयासरत है।

वहीं थाना प्रभारी दिनेश रावत ने कहा कि पुलिस विभाग प्रशासनिक अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है और यातायात व्यवस्था सुधारने एवं अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में लगातार सहयोग करता रहेगा।

तहसीलदार ने कहा हमने बस स्टैंड से अतिक्रमण हटवा दिया है।मुख्य मार्ग से भी हटवा देंगे जो नही हटाएंगे उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कारवाई की जाएगी।इस व्यवस्था को निरंतर बनाए रखने की जिम्मेदारी नगर परिषद की है।

कलेक्टर के सख्त निर्देशों के बाद भी नहीं जागी नगर परिषद व पुलिस प्रशासन बस स्टैंड क्षेत्र में बदहाल व्यवस्था से लोग परेशान

हालांकि नगरवासियों का कहना है कि इस प्रकार की कार्रवाई पहले भी कई बार हुई है, लेकिन कुछ दिनों बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। लोगों का मानना है कि इस बार प्रशासन को स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, ताकि बस स्टैंड क्षेत्र हमेशा अतिक्रमण मुक्त रहे और आमजन को परेशानी का सामना न करना पड़े।

जल्द करेंगे वैकल्पिक व्यवस्था- प्रभारी सीएमओ मिलन पटेल ने बताया कि बस स्टैंड को व्यवस्थित करना पहली प्राथमिकता है।यहाँ से हटाई गई दुकानों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की योजना बनाई जा रही है।एमजी रोड़ पर सड़क पर अतिक्रमण करने वाले लोगो को नोटिस जारी किए गए हैं।शीघ्र ही एमजी रोड़ से भी अतिक्रमण हटाकर आवागमन में आ रही बाधा दूर की जाएगी।

इधर मंदिर गली में बढ़ गई परेशानी-

बस स्टैंड से हटाई गई फल सब्जियों की दुकानें मंदिर गली में शिफ्ट हो गई।जिसके चलते इस गली में आवागमन बाधित हो गया।उल्लेखनीय है कि सब्जियों की दुकानें नगर में जहाँ तहाँ लग रही है।जबकि लाखों रुपये खर्चकर नगर परिषद द्वारा बनाई गई सब्जी मंडी खाली पड़ी है।सब्जियों की दुकानों के कारण आवागमन में बाधा आ रही हैं।मंदिर आने जाने श्रद्धालुओं को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।मवेशियों के जमघट से दुर्घटना का भय बना रहता है।सीएमओ पटेल ने कहा है कि बस स्टैंड की व्यवस्था सुचारू करने के बाद सब्जी की दुकानों को भी शिफ्ट किया जाएगा। आज इंदौर समाचार टिम मोके पर पहुँच कर देखा तो कई बसे अनफिट बसो का संचालन करने वालो बसों का धलल्ले से चल रही है नागरिक को ने माँग कि है बस स्टेशन समय सारणी लगाई जाए ताकि समय अनुसार बसो संचालन किया जा सके एवं ग्रामीण बसो परिवहन रोका जाए

जिले में रासायनिक उर्वरक का पर्याप्त भंडारण - कृषि विकास अधिकारी एनएस.रावत

कलेक्टर के निर्देश पर सुलभ आपूर्ति जारी

निर्धारित से अधिक दाम वसूलने वाले विक्रेताओं पर होगी सख्त वैधानिक कार्रवाई, पक्का बिल जरूर लें किसान

कृषक बंधु ई-विकास पोर्टल से सुगमता से करें खाद का उठाव, कृषि विभाग ने जारी की वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग की समसामयिक सलाह

झाबुआ। खरीफ मौसम की फसलों की बोनी की तैयारी को देखते हुए झाबुआ जिले में रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति और भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। जिला कलेक्टर डॉ.योगेश तुकाराम भरसाट के सख्त निर्देशों के बाद जिला प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा समय-समय पर उर्वरक वितरण व्यवस्था की निरंतर समीक्षा की जा रही है।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास अधिकारी एनएस.रावत ने बताया कि कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले के किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जा रही है। जिसमें स्थिति में जिले में यूरिया 13410 मैट्रिक टन, डीएपी 1436 मैट्रिक टन, एसएसपी 1324 मैट्रिक टन, एमओपी 462 मैट्रिक टन एवं एनपीके 2318 मैट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। जिले में उक्त उपलब्ध खाद सोसायटीवार, मार्कफेड के डबल लॉक केंद्रवार, निजी दुकानवार ई-विकास पोर्टल पर उपलब्ध है।

ई-विकास पोर्टल से उठा सकेंगे खाद

कृषि विकास अधिकारी एनएस.रावत ने किसान भाइयों से अनुरोध किया है कि वे अपनी आवश्यकतानुसार खाद अपनी पसंदीदा दुकान या सोसायटी से ई-विकास पोर्टल के माध्यम से बुक कर उठा सकते हैं। इस प्रणाली में राजस्व पट्टाधारी, वन पट्टाधारी, सिकमी किसान, शारीरिक रूप से अक्षम, वृद्ध किसान, मृतक किसान के वारिसान और धार्मिक संस्थान,ट्रस्ट आदि की जमीन के लिए भी खाद की सुलभ सुविधा दी गई है। किसान अपनी फसलों की अनुशंसित मात्रा के अनुसार यूरिया, एसएसपी, एनपीके, डीएपी और पोटाश की पूर्ण मात्रा एक बार में ही उठा सकते हैं, या अपनी सुविधानुसार दोबारा पोर्टल प्रक्रिया अपनाकर बुकिंग कर सकते हैं।

अधिक दाम वसूलने या कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्यवाही होगी-कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे उच्च गुणवत्ता युक्त कृषि आदान (बीज, खाद, कीटनाशक) केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही उचित मूल्य पर खरीदें और पक्का बिल अवश्य लें। साथ ही, सभी निजी और सहकारी विक्रेताओं को सचेत किया गया है कि वे निर्धारित दरों पर ही विक्रय करें। अधिक दाम वसूलने या कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध तत्काल वैधानिक व दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सलाह-कृषि विकास अधिकारी एनएस.रावत ने आगे बताया कि किसी भी प्रकार की दुविधा या अधिक जानकारी के लिए किसान भाई अपने नजदीकी क्षेत्र के मैदानी अमले, विकासखंड कृषि कार्यालय या कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

विहिप की चेतावनी के बाद अतिक्रमण हटाने पहुंचा प्रशासनिक अमला

वन विभाग में अतिक्रमण वाली जमीन पर जेसीबी से किए गड्ढे

मेघनगर। दिसंबर 2025 में सजेली नानिया साथ फॉरेस्ट रेंज में हुई गौ हत्या और उसके बाद जंगल में बदले हालातो का मुआयना करने पिछले दिनों विहिप पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे थे। गो हत्या के बाद प्रशासन और वन विभाग द्वारा दिए गए आश्वासन पर कार्यवाही न करने से हिंदू नेताओं में प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया था।

जिसके बाद बुधवार को राजस्व ,वन विभाग और पुलिस का अमला एसपी ओर डीएफओ के साथ जंगल पहुंचा। अतिक्रमण की गई भूमि को मुक्त कराया ओर कंटूर खोद कर जल संरक्षण की संरचनाएं बनाए गई।

वन विभाग के अनुसार मेघनगर राखड़िया वन परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 75, 76, 80 एवं 81 में लगभग 27 लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया था, जिन्हें वहां से हटाया गया।

डीएफओ के साथ वन अमले ओर अन्य अधिकारियों ने वन क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों तक पैदल भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया गया। 22 मई को जंगल के इस क्षेत्र में मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ विश्व हिंदू परिषद गोरक्षा प्रमुख सोहन विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष विहिप आजाद प्रेम सिंह डामोर अपनी टोली के साथ पहुंचे थे। तब उन्होंने जंगल की भूमि पर अवैध धर्म स्थल होने, वन विभाग द्वारा अतिक्रमण की गई भूमि को पूरी तरह अपने कब्जे में न लेने ओर उसकी तार फेंसिंग न करने तथा गौ अभयारण को लेकर प्रभावी कार्यवाही न होने पर नाराजगी व्यक्त की थी।

एसपी ने दिए निर्देश

इस घटनाक्रम के संवेदनशील होने के चलते एसपी ने क्षेत्र में किसी भी प्रकार की संदिग्ध अथवा आपराधिक गतिविधि किसी भी स्थिति में संचालित न होने इसके लिए मेघनगर टीआई ओर एसडीओपी को निर्देशित किया है। ग्रामीणों को गौवंश से संबंधित गंभीर अपराधों से दूर रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा घटना की तत्काल सूचना पुलिस एवं प्रशासन को देने हेतु प्रेरित किया गया।

बीट स्तर पर पेट्रोलिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु अतिरिक्त सतर्कता बरतने एवं सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

मेघनगर में टला बड़ा हादसा

मेघनगर – बुधवार शाम मेघनगर में एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। धार से थांदला के बीच चलने वाली निजी बस सड़क निर्माण के चलते अनियंत्रित होकर पलटने से बाल बाल बच गई। बुधवार शाम 7 बजे झाबुआ से चलकर थांदला की ओर जा रही छाबड़ा बस मेघनगर के बिजासन माता मंदिर के आगे नवीन सीसी रोड पर चढ़ने के दौरान अनियंत्रित हो गई बस सीसी रोड के करीब एक फिट ऊंचाई के हिस्से पर फस गई और आधी लटक गई। हादसे के दौरान बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार उठने। हालांकि चालक की सूझबूझ के कारण बस पलटी नहीं और सभी यात्री सुरक्षित बस से नीचे उतरने में कामयाब रहे। यदि हादसा होत बड़ी जनहानि होती। घटना के बाद दुर्घटनाग्रस्त बस में सभी यात्री पैदल ही बिजासन माता मंदिर से मेघनगर या अन्य वाहनों से बस स्टेशन तक पहुंचे। बता दे की इस मार्ग पर एमपीआरडीसी द्वारा नवीन हाईवे का निर्माण किया जा रहा है। विभाग और ठेकेदरा द्वारा सड़क निर्माण के दौरान बरती जाने वाली सावधानी और सुरक्षा मापदंडों का पालन नहीं किया जा रहा। पूर्व में भी समाचारों के माध्यम से प्रशासन को अवगत कराया गया था कि सड़क निर्माण के दौरान पर्याप्त संकेतक और सुरक्षित डायवर्सन का प्रबंध ठेकेदार और एमपी आरडीसी विभाग नहीं कर रहा जिसके चलते कभी भी कोई बड़ा सड़क हादसा हो सकता है, यह हादसा इसी की परिणीति है। प्रशासन तभी हरकत में आता है जब लापरवाही या असावधानी के चलते सड़क हादसों में आम लोगों की जान जाती है, संभवत झाबुआ प्रशासन और एमपी आरडीसी के अधिकारी भी कुछ ऐसा ही चाहते हैं।

पुलिस-प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई

झाबुआ। झाबुआ जिले के मेघनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नानिया और सजेली के सीमावर्ती वन क्षेत्र में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। पुलिस, राजस्व और वन विभाग की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। इस पूरी कार्रवाई के दौरान झाबुआ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की संदिग्ध या आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस, राजस्व और वन विभाग के स्थानीय अधिकारियों को निरंतर निगरानी और गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। वन विभाग के कक्ष में लगभग 27 लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए जेसीबी और ट्रैक्टरों का उपयोग किया गया। अतिक्रमण हटाए गए स्थानों पर कंटूर की खुदाई की गई, जो भविष्य में जल संरक्षण का कार्य करेगी। एसपी ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्हें गौवंश से जुड़े अपराधों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना प्रशासन को देने के लिए प्रेरित किया।

बीट स्तर पर पेट्रोलिंग व्यवस्था को मजबूत करने और सूचना तंत्र को सक्रिय करने के साथ ही भविष्य में अतिक्रमण की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सतर्कता बरतने को कहा गया है। प्रशासन ने यह भी योजना बनाई है कि जल्द ही इस क्षेत्र में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कर इसे हरा-भरा और पर्यावरण की दृष्टि से समृद्ध बनाया जाएगा। यह पूरा क्षेत्र पिछले कुछ समय से अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है।

गत वर्ष 7 दिसंबर को इन जंगलों में गोकशी का बड़ा मामला सामने आया था, जब पुलिस ने जंगल के भीतर 40 से 50 अलग-अलग अड्डों पर झोपड़ियों और पेड़ों के नीचे अवैध कत्लखाने संचालित होते हुए पकड़े थे। इस अभियान में एसडीएम अवधंती प्रधान, एसडीओपी थांदला राजेश सुलिया, वन विभाग के डीएफओ भारत सोलंकी और थाना प्रभारी मेघनगर दिनेश शर्मा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने पैदल भ्रमण कर वन क्षेत्र के सुदूर एवं संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का जिला प्रशिक्षण वर्ग का समापन

आलीराजपुर। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान अंतर्गत जिला स्तरीय दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग का आज दूसरे दिन के प्रशिक्षण सत्रों के पूर्ण होने के साथ समापन हुआ। प्रथम दिन के 7 सत्रों के बार जिलेभर से आए लगभग 100 भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने एक साथ रात्री विश्राम भी करते हुए देर रात तक राष्ट्रवाद से जुड़ी फ़िल्मों का आनंद लिया । आज सुबह 6 बजे से योगा एवं व्यायाम के साथ शुरू हुए द्वितीय दिवस की शुरुआत हुई। प्रशिक्षण वर्ग के अष्टम सत्र में वक्ता रमेश धारीवाल ने देश के समक्ष राजनैतिक एवं सामाजिक चुनौतियो पर विस्तृत चर्चा करते हुए लव जिहाद, सीमावर्ती जिलों में देश विरोधी गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं को एक राष्ट्र के भाव उत्पन्न करने का अनुरोध किया। नवम सत्र में सांसद श्रीमती अनिता चौहान ने केंद्र सरकार की किसान कल्याण, गरीब कल्याण एवं जनहितैषी योजनाओ की जानकारी देते हुए जिले में सभी योजनाओं के हितग्राहियों की संख्यात्मक आंकड़ों सहित बात रखते हुए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को हर योजनाओं से गांव के अंतिम व्यक्ति को लाभान्वित करवाने में मदद कारण का आव्हान किया। सांसद श्रीमती चौहान ने हर पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान भारत योजना के कार्ड बनाने एवं टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए जिले के टीबी मरीजों को गोद लेकर निरंतर 6 माह तक उनकी देखरेख का आव्हान किया। दशवे सत्र में दिलीप पटोदिया जी ने संगठन के स्थाई कार्यक्रम बूथ प्रबंधन मन की बात सहित विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों एवं कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन गतिविधियों एवं कार्यक्रम शत प्रतिशत कर बूथ स्तर पर मेरा बूथ सबसे मजबूत कारण का आव्हान किया। ग्यारहवें सत्र में महू से आए राधेश्याम यादव जी ने विचार परिवार विषय पर चर्चा करते हुए विचार परिवार के विभिन्न संगठनों एवं उनके कार्यों को विस्तार से समझाते हुए उनके गठन का उद्देश्य बताया। उन्होंने देश विरोधी गतिविधियों और धर्म विरोधी ताकतों द्वारा किए जा रहे क्रियाकलापों से सजग रहने और सजग करने की बात कहते हुए राष्ट निर्माण करने का आव्हान किया।

पेटलावद में नवकार मित्र मंडल के तत्वावधान में 167 तपस्वियों ने की आयंबिल तप की आराधना

पेटलावद। नवकार मित्र मंडल के द्वारा आयोजित सामूहिक आयंबिल अनुष्ठान में जैन समाज के 167 तपस्वियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर धर्मलाभ लिया। इस पावन अवसर पर छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने बढ़-चढ़कर आयंबिल तप की आराधना की और तपस्वियों के इस सामूहिक आयोजन की व्यवस्थाओं की मुक्त कंठ से सराहना की। कार्यक्रम के दौरान संजय व्होरा, संजय मालवी एवं नरेंद्रकुमार वागमलजी कटकानी परिवार की ओर से सभी तपस्वियों को प्रभावना वितरित की गई।

इनकी उपस्थिति रही-इस सफल आयोजन में नवकार मित्र मंडल के संरक्षक संजय व्होरा, संजय मालवी, चेतनकुमार कटकानी व नवीन मुरार सहित मंडल के सक्रिय सदस्य अनिल मेहता, राहुल मुथा, संजय बरबेटा, अभिषेक पटवा, अंकित कटकानी, सिद्धार्थ चाणोदिया, श्रेयल पटवा,

आशीष झालोका, हिमांशु झालोका, विवेक झालोका, सुजल पटवा व अभिषेक मेहता विशेष रूप से उपस्थित रहे। मंडल के सदस्यों ने बताया कि सभी के सहयोग से यह आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद् के प्रकल्प के तहत रानापुर में मनाया गया करुणा दिवस, बच्चों के आयंबिल और सामूहिक आराधना से महकी तपस्या

राणापुर इंदोर समाचार रानापुर। जीवदया प्रतिपालक करुणासागर भगवान श्री नेमिनाथ जी के पद चिह्नों का अनुसरण करते हुए आज दिनांक 28 मई 2026 को सकल जैन श्रीसंघ रानापुर एवं अ भा श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद्, श्री मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय रानापुर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय करुणा दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया। यह विशेष आयोजन परिषद् के मुख्य प्रकल्प के अंतर्गत बकरीद के अवसर पर मूक और बेजुबान जीवों की आत्मशांति और उनके प्रति दया भाव प्रकट करने के उद्देश्य से सामूहिक रूप से रखा गया था। बच्चों के त्याग ने सबको किया प्रेरित, हुए लगभग 40 आयंबिल-करुणा दिवस के इस पावन अवसर पर रानापुर जैन समाज के श्रद्धालुओं ने मूक प्राणियों के प्रति अपनी सच्ची संवेदना व्यक्त करते हुए लगभग 40 आयंबिल की तपस्या की। इस आयोजन की सबसे सुंदर और प्रेरणादायी बात यह रही कि बड़ों के साथ-साथ नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी बड़े उत्साह और भावपूर्वक आयंबिल की तपस्या की। बच्चों के इस अनूठे त्याग और वैराग्य भाव को देखकर पूरा समाज अभिभूत हो गया। सभी तपस्वियों ने स्वेच्छा से रस और स्वाद का त्याग कर इस अहिंसात्मक आराधना में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।